पत्र हैं, भर्ती करने के कार्य में कार्यरत हैं। कोई भर्ती एजेन्ट पंजीकृत प्रमाण-पत्र में अंकित स्थान से ही निर्धारित प्रक्रिया का पालन करते हुए विदेशी नियोक्ता की मांग के अनुसार किसी भी देश में रोजगार के लिए श्रमिकों को भर्ती कर सकता है।

Workers in iron ore and manganise industry in Orissa

850. SHRI RAHASBIHARI BARIK: Will the Minister of LABOUR be pleased to state:

(a) the approximate number of workers engaged in the iron ore and mangnise industry in the Barbil-Barjamda sector, Gandhamardan sector Joda Banspani and other mining areas in Keonjhar district of Orissa; and

(b) the details steps taken to provide those workers proper housing and health care facilities and other basic facilities?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF LABOUR (SHRI P. A. SANGMA): (a) and (b) The information is being collected and will be laid on the Table of the House.

High powered committee on labour laws

851. SHRI CHATURANAN MISHRA:
SHRI GURUDAS DAS GUPTA:

Will the Minister of LABOUR be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Prime Minister has preferred for setting up of a High Powered Committee to suggest changes in labour laws insted of setting up a second Labour ommission; and

(b) if so, the details and decision thereon?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF LABOUR (SHRI P. A. SANGMA): (a) and (b) No decision has yet been taken regarding setting up of a National Commission on Labour or High-Powered Committee for suggesting changes in labour laws.

देश में श्रम शक्ति की संख्या

852. श्रीमती सरला माहेश्वरी: क्या श्रम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में इस समय कुल कितनी श्रम शक्ति है और इसका कितना प्रतिशत संगठित क्षेत्र में और कितना प्रतिशत असंगठित क्षेत्र में कार्य कर रहा है ;

(ख) इसमें महिला श्रमिकों की संख्या कितनी है तथा संगठित एवं असंगठित क्षेत्रों में अलग-अलग उनकी प्रतिशतता कितनी है ;

(ग) क्या संगठित क्षेत्र में रोजगार के अवसरों में कमी आई है ;

(घ) क्या यह सच है कि आर्थिक विकास और रोजगार के अवसरों में वृद्धि के बीच भारी अंतर है ;

(ङ) पिछले तीन वर्षों के दौरान क्रमशः शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसरों में वृद्धि की दर क्या है ; और

(च) देश में इस समय बेरोजगार व्यक्तियों की कुल संख्या कितनी है और रोजगार के अवसरों में वर्तमान वृद्धि दर को ध्यान में रखते हुए आगामी दो वर्षों में देश में बेरोजगार व्यक्तियों की संख्या कितनी हो जायेगी ?

श्रम मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री पी. ए. संगमा) (क) और (ख) 1991 की जनगणना के दौरान संगठित तथा असंगठित क्षेत्रों में कर्मकारों के वितरण संबंधी

आंकड़े एकत्र नहीं किये गये थे। 1991 की जनगणना के अनुसार, ग्रामीण-शहरी क्षेत्रों में निवास तथा लिंग-भेद के आधार पर कुल जनसंख्या, मुख्य कर्मकारों और सीमांत कर्मकारों से संबंधित ब्यौरे दर्शाने वाला एक विवरण संलग्न है। (नीचे देखिये)

(ग) उपलब्ध सूचना के अनुसार, 1990 में संगठित क्षेत्र में रोजगार 26343.4 हजार से बढ़कर 1991 में यह संख्या 26733.1 हजार और 1992 में 27055.7 हजार हो गयी है।

(घ) और (ङ) प्रायः सकल घरेलू उत्पाद (जी० डी० पी०) की वृद्धि दर की तुलना में रोजगार की वृद्धि दर कम रहती है लेकिन आयोग में किये गये प्रारंभिक विश्लेषण से पता चलता है कि विगत दो वर्षों के दौरान, रोजगार वृद्धि संबंधी विवरणी में बढ़ती हुई प्रवृत्ति का पता चलता है। पिछले दो वर्षों के दौरान रोजगार वृद्धि लोचनीयता लगभग 0.5 आंकी गयी है जबकि 1985–86 में यह 0.4 से भी कम थी। आठवीं योजना के प्रथम दो वर्षों के दौरान रोजगार की अनुमानित वृद्धि दरें 1992–93 में 2.1% तथा 1993–94 में 1.8% हैं।

(च) योजना आयोग में किये गये अनंतिम आंकलनों से पता चलता है कि मार्च, 1994 के अंत में 18.5 मिलियन व्यक्ति बेरोजगार थे। रोजगार तीव्रता में वृद्धि तथा अर्थव्यवस्था में तेजी से वृद्धि से यह आशा की जाती है कि आने वाले वर्षों में रोजगार सृजन में वृद्धि होगी।

विवरण

1991 की जनगणना के अनुसार, ग्रामीण-शहरी आवास तथा लिंग-भेद के आधार पर कुल जनसंख्या तथा मुख्य कर्मकारों से संबंधित ब्यौरे नीचे दिए गए हैं:—

सारणी क : ग्रामीण-शहरी आवास

(आंकड़े लाखों में)

	कुल	ग्रामीण	शहरी
जनसंख्या	839	623(74%)	216(26%)
मुख्य कर्मकार	286	222(78%)	64(22%)

सारणी ख: लिंग-भेद वितरण

(आंकड़े लाखों में)

	कुल	पुरुष	महिला
जनसंख्या	839	435(52%)	403(48%)
ग्रामीण	623	321(52%)	302(48%)
शहरी	216	114(53%)	102(47%)
मुख्य कर्मकार	286	222(8%)	64(22%)
ग्रामीण	222	166(75%)	56(25%)
शहरी	64	55(87%)	8(13%)

टिप्पणी :

1. कोष्ठकों में दिये गये आंकड़े कुल संख्या में प्रतिशतता भाग दर्शाते हैं।
2. आंकड़ों को पूर्णांकों में बदलने के कारण आंकड़ों का योग मेल नहीं खा सकता।
3. आंकड़ों में जम्मू और कश्मीर, जहां 1991 में जनगणना नहीं करवायी गयी, के आंकड़े शामिल नहीं हैं।

स्रोत : जनसंख्या जनगणना, 1991